इस प्रश्न–पत्र में **29** प्रश्न [खण्ड 'क' (21) + खण्ड 'ख' (4) + खण्ड 'ग' (4)] तथा **8 मुद्रित पृष्ठ** हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक

Code No.
कोड नं. **51/ASS/3**

SET/सेट **A**

HINDI
हिन्दी
(301)

Day and Date of Examination :
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ____________________

Signature of Invigilators :
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर) **1.** ____________________

2. ____________________

सामान्य अनुदेश :

1 परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें ।

2 कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है । इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं ।

3 उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा ।

4 अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र की कोड संख्या **51/ASS/3,** सेट–**A** लिखें ।

www.cbseportal.com
Download From: http://cbseportal.com

HINDI

हिन्दी

(301)

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

निर्देश :

(i) इस प्रश्न–पत्र में **तीन** खण्ड हैं – खण्ड 'क', खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग'।

(ii) खण्ड 'क' के **सभी** प्रश्नों को हल करना है।

(iii) खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग' में से **केवल एक खण्ड** के प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(iv) खण्ड 'क' **85** अंकों का और खण्ड 'ख' **अथवा** खण्ड 'ग' **15** अंकों का है।

खण्ड – 'क'

1 (क) निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

होइ पुनीत भगवंत भजन तें आपु तारि तारे कुल दोइ ।
धनि सु गाउ धनि सो ठाउ धनि पुनीत कुटंब सभ लोइ ।
जिनि पीआ सार रसु तजे आन रस होई रस मगन डारे बिखु खोइ ॥
पंडित सूर छत्रपति राजा भगत बराबरि अउरू न कोइ ।
जैसे पूरैन पात रहै जल समीप भनि रबिदास जनमे जगि ओइ ॥

अथवा

आज़ादी के नारे लगाने वालों को देखो –
उनकी डोर भी उनके हाथ में नहीं है ।
जो कहते हैं – कठपुतली के इस खेल में
कठपुतली नहीं बनेंगे
वे चुपके से कठपुतली बना दिए जाते हैं ।
वे ही सबसे पहले अपनी डोर किसी और को थमा देते हैं ।
नामालूम तरीके से
कठपुतली बने हुए हम जीते रहते हैं बरस–दर–बरस
और मरते वक्त पाते हैं कि 'अरे ! हम तो कठपुतली थे ।'

www.cbseportal.com
Download From: http://cbseportal.com

(ख) निम्नलिखित काव्य–पंक्तियों का काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : 2

औरै भाँति कुंजन में गुंजरत भौंर भीर,
औरै डौर झौरन पै बौरन के ह्वै गये ।
कहै पद्माकर सु औरै भाँति गलियान,
छलिया छबीले छैल औरै छबि छ्वै गये ।
औरे भाँति बिहग–समाज में अवाज होति,
ऐसे ऋतुराज कै न आज दिन द्वै गये ।

2 निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **35-35** शब्दों में दीजिए : 2+2

(क) पठित पद्यों के आधार पर 'मीराँ में प्रेम के मिलन और विरह दोनों ही पक्षों की सुंदर अभिव्यक्ति हुई है' – कथन की पुष्टि सोदाहरण कीजिए ।

(ख) 'मुझे कदम–कदम पर' कविता में कवि ने 'आज के लेखक के लिए क्या कठिनाई बताई है ?' स्पष्ट कीजिए ।

(ग) भरत को माँ के प्रति आक्रोश क्यों था ? अपनी प्रतिक्रिया को वे उचित क्यों नहीं मानते ? – 'भरत का भ्रातृ–प्रेम' के द्वितीय पद के आधार पर उत्तर दीजिए ।

3 'वह तोड़ती पत्थर' कविता का मुख्य विषय क्या है ? इसके माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ? स्पष्ट कीजिए । 2

अथवा

'परशुराम के उपदेश' कविता का मूल भाव क्या है ? उस पर प्रकाश डालिए ।

4 कृष्ण भक्ति काव्य **अथवा** प्रयोगवादी कविता की किन्हीं **दो** विशेषताओं का वर्णन कीजिए । 2

5 (क) निम्नलिखित काव्य–पंक्तियों में निहित रस का नाम बताइए : 1

छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाये,
मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाये ।
दो बार नहीं यमराज कण्ठ धरता है,
मरता है जो, एक ही बार मरता है ।

(ख) निम्नलिखित काव्य–पंक्तियों में निहित अलंकार का नाम बताइए : 1

वह चितवन औरै कछु, जिहि बस होत सुजान ।

www.cbseportal.com
Download From: http://cbseportal.com

6 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

दिवसाबसान का समय,
मेघमय आसमान से उतर रही है
वह संध्या–सुन्दरी परी–सी
धीरे–धीरे–धीरे ।
तिमिरांचल में चंचलता का नहीं कहीं आभास,
मधुर मधुर हैं दोनों उसके अधर –
किंतु जरा गंभीर–नहीं है उनमें हास–विलास ।
हँसता है तो केवल तारा एक
गुँथा हुआ उन घुँघराले बालों से,
हृदय राज्य की रानी का वह करता है अभिषेक ।
अलसता की–सी लता
किंतु कोमलता की वह कली
सखी नीरवता के कंधे पर डाले बाँह,
छाँह–सी अम्बर–पथ से चली ।
नहीं बजती उसके हाथों से कोई वीणा;
नहीं होता कोई अनुराग–राग–आलाप
नूपुरों में भी रुनझुन–रुनझुन नहीं,
सिर्फ एक अव्यक्त शब्द–सा – 'चुप, चुप, चुप'
है गूँज रहा सब कहीं –
और क्या ? कुछ नहीं ।
मदिरा की वह नदी बहाती आती,
थके हुए जीवों को वह सस्नेह
प्याला एक पिलाती ।
सुलाती उन्हें अंक पर अपने,
दिखलाती फिर विस्मृति के वह मीठे अगणित सपने;
अर्धरात्रि की निश्चलता में हो जाती जब लीन,
कवि का बढ़ जाता अनुराग,
विरहाकुल कमनीय कंठ से
आम निकल पड़ता तब एक विहाग ।

(क) काव्यांश के आधार पर संध्या–सुन्दरी के रूप सौंदर्य का वर्णन कीजिए । 1

(ख) हृदय राज्य की रानी कौन है ? उसका अभिषेक कौन किस रूप में कर रहा है ? 1

(ग) संध्या सुन्दरी किस के कन्धे का सहारा लिए कहाँ से आ रही है ? 1

(घ) ''मदिरा की वह नदी बहाती आती'' काव्य पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए । 1

(ङ) थके हुए जीवों के साथ वह कैसा व्यवहार करती है ? 1

www.cbseportal.com

Download From: http://cbseportal.com

7 (क) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

दो टूक बात यों कि जीवन वह है, जो समय पर अड़ भी सकता है और समय पर झुक भी, पर ठूँठ वह है, जो अड़ ही सकता है, झुक नहीं सकता । एक है जीवंत दृढ़ता और दूसरा निर्जीव जड़ता । हम दृढ़ हों, जड़ नहीं ।

अथवा

कुटज के ये सुन्दर फूल बहुत बुरे तो नहीं हैं । जो कालिदास के काम आया हो, उसे ज़्यादा इज़्जत मिलनी चाहिए । मिली कम है । पर इज़्जत तो नसीब की बात है । रहीम को मैं बड़े आदर के साथ स्मरण करता हूँ । दरियादिल आदमी थे, पाया सो लुटाया । लेकिन दुनिया है कि मतलब से मतलब है, रस चूस लेती है, छिलका और गुठली फेंक देती है । सुना है रस चूस लेने के बाद रहीम को भी फेंक दिया गया था ।

(ख) पठित पाठ के आधार पर मन्नू भण्डारी **अथवा** मोहन राकेश की भाषा–शैली की किन्हीं **दो** विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । 2

8 निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **35-35** शब्दों में दीजिए : 2+2

(क) ''मैं जानता हूँ कि मेरा रोग लाइलाज है ।'' 'अनुराधा' कहानी में विजय का यह कथन क्या पूर्णतया सही है ? वर्तमान खोजों के आधार पर समीक्षा कीजिए ।

(ख) बाँझ के हरे–भरे पेड़ और ठूँठ के माध्यम से लेखक कन्हैयालाल मिश्र क्या कहना चाहते हैं ?

(ग) 'जिजीविषा की विजय' पाठ के आधार पर डॉ. रघुवंश की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

9 'दो कलाकार' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । 2

10 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास में उपन्यासकार ने कथावस्तु के माध्यम से क्या संदेश दिया है ? इस पर प्रकाश डालिए । 3

11 अलीमर्दान के चरित्र की किन्हीं **तीन** विशेषताओं का उल्लेख उदाहरण देकर कीजिए । 3

12 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) छोटी रानी ने बड़ी रानी को अपने षड्यंत्र में शामिल कैसे किया ? 1

(ख) विराटा के पतन की सम्भावना पर कुंजरसिंह ने कुमुद को क्या कहा ? 1

www.cbseportal.com

Download From: http://cbseportal.com

13 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

कल्पना में एक दिन रामधारीसिंह 'दिनकर' की भेंट कबीर साहब से हो गई । 'दिनकर' जी ने धर्म के विषय में कबीर साहब से उनके विचार जानने चाहे तो कबीरजी बोले :

ऐसा क्यों समझते हो कि धर्म केवल मंदिर और मस्ज़िद में बसता है तथा जुलाहे के करघाघर या मोची के मोचीखाने अथवा राजनीति के दफ़्तर में वह नहीं रह सकता ? जीवन के दो टुकड़े नहीं हैं कि एक में धर्म का आसन और दूसरे में छल और प्रपंच के लिए छूट रहे । जीवन का ऐसा विभाजन नहीं चल सकता । ..... धर्म सम्पूर्ण जीवन की पद्धति है । धर्म जीवन का स्वभाव है । ऐसा नहीं हो सकता कि हम कुछ कार्य तो धर्म की मौजूदगी में करें और बाकी कार्यों के समय उसे भूल जाएँ । धर्म ज्ञान और विश्वास में नहीं, कर्म और आचरण में बसता है । यदि हम ईश्वर के अस्तित्व में विश्वास करते हैं तो हमारे विश्वास का सबूत हमारे आचरणों में मिलना ही चाहिए ।

पूजा और अनुष्ठान की विधियाँ धर्मरूप हैं । मंदिर, मस्ज़िद, तीर्थ, व्रत और पंडे तथा पुरोहित की प्रथा, ये धर्म के ढकोसले हैं । सच पूछो तो सभी धर्म एक हैं । केवल पूजा–विधियों के कारण वे भिन्न–भिन्न दिखाई देते हैं । इसलिए कहता हूँ कि पूजा विधियों को छोड़ दो और सभी धर्मों को एक हो जाने दो । सभी धर्म एक हैं । एक से अधिक हो ही नहीं सकते । रवीन्द्रनाथ ने ठीक कहा था : – ''धर्म को पकड़े रहो । धर्मों को छोड़ दो ।'' और धर्म केवल जुमे या मंगलवार को ही नहीं जगता, वह सातों दिन जगा रहता है । उसकी साधना का स्थान मंदिर और मस्ज़िद ही नहीं, बल्कि वे सारी जगहें हैं, जहाँ मनुष्य कोई काम करता है ।

(क) लेखक ने अपनी बातों की अभिव्यक्ति का माध्यम कबीर साहब को क्यों बनाया ? **1**

(ख) 'धर्म सम्पूर्ण जीवन की पद्धति है' का आशय स्पष्ट कीजिए । **1**

(ग) ''धर्म कर्म और आचरण में बसता है ।'' कैसे ? लेखक इस कथन में क्या कहना चाहता है ? **2**

(घ) लेखक ने किन्हें धर्म के ढकोसले कहा है ? **2**

(ङ) जब धर्म एक है तो वह भिन्न–भिन्न क्यों दिखाई देता है ? **2**

(च) 'धर्म की साधना का स्थान सभी जगहें है' – इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए । **2**

(छ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **1**

14 कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :

(क) मुझे केवलमात्र दो रुपये चाहिए । (वाक्य शुद्ध कीजिए) **1**

(ख) (i) परीक्षक ने प्रश्न–पत्र बाँटे ।

(ii) परीक्षार्थी उत्तर लिखने लगे । (इन दोनों वाक्यों से एक मिश्रित वाक्य बनाइए) **1**

(ग) भगवान आप का भला करे । (अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताइए) **1**

(घ) दाँत–दर्द के मारे मैं बोल नहीं सकता । (भाव वाच्य में बदलिए) **1**

(ङ) बच्चों खेलने दूर मत जाना (उपयुक्त विराम–चिह्न लगाइए) **1**

Download From: http://cbseportal.com

15 निम्नलिखित में से किसी **एक** का भाव–पल्लवन कीजिए : **3**

(क) तेते पाँव पसारिए जेती लम्बी सौर ।

(ख) दैव ! दैव ! आलसी पुकारा ।

16 निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबन्ध लिखिए : **8**

(क) समय का सदुपयोग

(ख) स्वच्छता–अभियान

(ग) दूरदर्शन और मनोरंजन

(घ) बेरोजगारी : समस्या और समाधान

17 अपने क्षेत्र में बढ़ते अपराधों की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए । **4**

18 प्रतिवेदन की उपयोगिता बताते हुए उसके लेखन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए । **4**

19 नेमी कार्यालय टिप्पण किसे कहते हैं ? इसके लिखने का प्रयोजन स्पष्ट कीजिए । **3**

20 गत वर्ष आपकी ग्यारहवीं की परीक्षा में हिन्दी का पेपर अच्छा नहीं हुआ था । रिजल्ट आने तक बहुत चिन्तित रहे । किंतु जब आपका परीक्षा–परिणाम आया और उसमें हिंदी विषय में 80 अंक आए तो आपकी प्रसन्नता का ठिकाना न रहा । उस समय की अनुभूति को लगभग **35** शब्दों में लिखिए । **2**

21 निम्नलिखित सूचना को वृक्ष – आरेख द्वारा समझाइए : **4**

– काल के तीन भेद :– भूतकाल, वर्तमानकाल, भविष्यत्काल ।

– भूतकाल के छह भेद :– (i) सामान्य भूत (ii) आसन्न भूत (iii) पूर्ण भूत (iv) अपूर्ण भूत (v) संदिग्ध भूत (vi) हेतुहेतुमदभूत

– वर्तमानकाल के तीन भेद :– (i) सामान्य वर्तमान (ii) संदिग्ध वर्तमान और (iii) अपूर्ण वर्तमान ।

www.cbseportal.com

Download From: http://cbseportal.com

खण्ड – 'ख'
(सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी)

22 निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो के अर्थ स्पष्ट कीजिए : $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(क) नेशनल प्रेस ऑफ इण्डिया (ख) पृष्ठ योजन (ग) धमाका

23 (क) संचार माध्यम कितने प्रकारों के होते हैं ? यह भी स्पष्ट कीजिए कि अखबार को लोकतंत्र का चौथा खम्भा क्यों कहा गया है ? 2

(ख) 'आँखों देखा हाल' प्रसारण माध्यमों की सबसे सशक्त एवं विश्वसनीय विधा है – क्यों ? स्पष्ट कीजिए । 2

24 (क) संचार क्रांति के किन्हीं **दो** मुख्य कारणों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए । 2

(ख) दूरदर्शन की भाषा की किन्हीं **चार** विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 2

25 (क) घर–परिवारों में बड़े–बूढ़ो के प्रति सन्तान की उपेक्षा, उनके प्रति मान–सम्मान, प्रेम, स्नेह का अभाव दिखाई पड़ता है । जिसे देखकर आप दुखी हैं । कई समाज–सेवी संस्थाओं ने उनके लिए वृद्ध–आश्रम खोल दिए हैं, किंतु वहाँ वह अपनत्व एवं स्नेह कहाँ जिसकी अपेक्षा वे जीवन में करते रहे हैं । – इस समस्या के समाधान के लिए एक समाचार आइटम तैयार कीजिए । 3

(ख) इसी वर्ष आपने एक नर्सरी स्कूल खोला है । उसकी प्रगति के लिए सीमित शब्दों में एक विज्ञापन दूरदर्शन के लिए तैयार कीजिए, जिसमें स्कूल की विशेषताओं का उल्लेख हो । 3

खण्ड – 'ग'
(विज्ञान की भाषा – हिंदी)

22 निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** के अर्थ स्पष्ट कीजिए : $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(क) क्रिस्टल (ख) गीगो (ग) ऊर्जा

23 (क) वैज्ञानिक दृष्टि की **चार** विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । 2

(ख) आधुनिक भारत के वैज्ञानिक में सी.वी.रमण और जगदीशचन्द्र बोस की उपलब्धियों का उल्लेख कीजिए । 2

24 भारत में जनसंख्या–वृद्धि के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं में से किन्हीं **चार** का सोदाहरण उल्लेख कीजिए । 4

25 (क) वैज्ञानिक भाषा की किन्हीं छह प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 3

(ख) कम्प्यूटर आज के जीवन की परम आवश्यकता है, क्यों ? उसकी विशेषताओं को बताइए । 3

Download From: http://cbseportal.com